प्रिय विद्यार्थी,

शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर के सत्रीय कार्य में आपको दिए गए प्रश्नपत्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने हैं। **प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल पाँच प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर लिखना है। इन प्रश्नों का उत्तर 800 से 1000 शब्दों में दिया जाना है। सभी प्रश्न किए जाने हैं। सत्रीय कार्यों को आपको अपने अध्ययन केंद्र में जमा करना हैं। सत्रीय कार्य की एक प्रतिलिपि अपने आप अवश्य रखें।**

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1. **योजना** : सत्रीय कार्य के प्रश्नों को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2. **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर सामग्री चुनने और विश्लेषण का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें। आपका उत्तर तर्कसंगत और सुव्यवस्थित हो। वाक्यों की संरचना उचित हो। वर्तनी, भाव व शैली का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही उत्तर लिखें।

3. **प्रस्तुतिकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएं तो जमार कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की साफ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ हस्तलिपि में लिखें**। जिन बिंदुओं पर जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्दसीमा के भीतर हो।

शुभकामनाओं सहित,
(पाठ्यक्रम समन्वयक)

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, अध्ययन केंद्र का नाम, पता और दिनांक लिखिए।

2) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, प्रश्नपत्र का नाम और कोड अवश्य लिखें।

उत्तर पुस्तिका का पहला पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

नामांकन संख्या:..

नाम : ....

पता : ....

....

....

संपर्क नंबर एवं ई मेल : ....:

अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता : ....

....

....

पाठ्यक्रम का नाम /कोड : ....

प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड: ....

दिनांक : ....

- उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (ए4) के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
- **प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें। प्रश्न का उत्तर नए पृष्ठ से प्रारंभ करें। पृष्ठ संख्या अवश्य लिखें।**
- **पृष्ठ के दोनों और लिखें।**
- प्रश्नपत्रों के सत्रीय कार्यों को सही क्रम के अनुसार जमाएं। मसलन – **शिक्षा 011** के बाद **शिक्षा 017 ….** इसी क्रम में सत्रीय कार्य जमाएं।
- अपनी लिखावट में उत्तर दें।

विद्यार्थी **अंतिम तिथि : पूरक विद्यार्थियों हेतु दिनांक 15 अप्रैल, 2026 तक एवं सत्र 2025-26 के विद्यार्थी हेतु दिनांक 31 मई, 2026** तक सत्रीय कार्य जाँच के लिए **अपने अध्ययन केंद्र पर जमा कराएं**।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2025-27) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 011

प्रश्न पत्र का नाम : शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : शिक्षा का अर्थ, आधारभूत अवधारणाएं, प्रक्रिया, स्वरूप तथा उद्देश्य को बतलाइये।

प्रश्नसंख्या 02 : सीखने के कोई सिद्धांतों का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 03 : प्लेटो का शिक्षा में योगदानका विस्तार से वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 04 : न्याय दर्शन के विभिन्न पक्षों को समझाइये।

प्रश्नसंख्या 05 : मूल्यों की प्रकृति और उनके स्रोतो को समझाइये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा
बी.एड. (सत्र 2025-27) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 012
प्रश्न पत्र का नाम : शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 :वृद्धि और विकास में अंतर स्पष्ट करते हुए विकास के विभिन्न सिद्धांतों को उदाहरण द्वारा स्पष्ट किजीये |

प्रश्नसंख्या 02 :जीन पियाजेके संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के शिक्षाशास्त्रीय प्रभावों का वर्णन कीजिए। इस सिद्धांत के आधार पर शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03 :लेव वायागोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (Socio-Cultural Theory) को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। इसमें निकटस्थ विकास क्षेत्र (ZPD) तथा स्कैफोल्डिंग की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04 :व्यक्ति और समाज के परस्पर संबंधों को स्पष्ट कीजिए। समाज किस प्रकार व्यक्ति के व्यक्तित्व, व्यवहार एवं विकास को प्रभावित करता है, इस पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05 :कोह्लबर्गके नैतिक विकास सिद्धांत को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। इसके विभिन्न स्तरों और चरणों का वर्णन करते हुए शिक्षा में इसके महत्व को बताइए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 013
प्रश्न पत्र का नाम : समकालीन भारतीय शिक्षा

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : भारत में बौद्धकालीन शिक्षा प्रणाली का वर्णन कीजिए। बौद्ध शिक्षा के उद्देश्य, प्रमुख शिक्षण केंद्र, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों तथा इसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02 : बुनियादी शिक्षा की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। इसके उद्देश्य, सिद्धांत, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली में इसके महत्व की विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03 : शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 से आप क्या समझते है ?उसकी विशेषताएँ एवं महत्व स्पष्ट कीजिए |

प्रश्नसंख्या 04 : DIET (डाइट) की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। इसके उद्देश्य, संरचना, प्रमुख कार्यों तथा प्राथमिक शिक्षा के विकास में इसकी भूमिका का विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05 : समय-सारणी (Time Table) की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। एक प्रभावी समय-सारणी के निर्माण के सिद्धांतों तथा विद्यालय में इसके महत्व की विस्तृत चर्चा कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 014

प्रश्न पत्र : पाठ्यचर्या एवं भाषा

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01: श्रवण कौशलका अर्थ बताईए।श्रवण संवर्धन के लिए आप कौन-कौनसी युक्तियों का कार्यान्वयन अपनी कक्षा में करेंगे ? विस्तारसे समझाईये।

प्रश्नसंख्या 02: भाषण कौशल का अर्थ बताते हुए विषय अधिगम में भाषण की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03: राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के दस्तावेज की भाषा संबंधित संस्तुतियों के संबंध में चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04: लेखन कौशल का अर्थ बताते हुए विषय अधिगम में लेखन की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05: पठनकौशल का संप्रत्यय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों के पठन संवर्धन के लिए आप कौन-कौनसी युक्तियों का अनुप्रयोग अपनी कक्षा में करेंगे? स्पष्ट कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2025-26) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 015

प्रश्न पत्र का नाम : ज्ञानानुशासन एवं विषय अवबोधन

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : ज्ञानानुशासन के दार्शनिक सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्षय को समझाइये।

प्रश्नसंख्या 02 : विद्यालय विषय के रूप में गणित और उसका अन्य विषयों से संबंध बतलाइये।

प्रश्नसंख्या 03 : भाषा की प्रकृति,विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में मातृभाषा की भूमिका पर प्रकाश डालिये।

प्रश्नसंख्या 04 :शिक्षण-अधिगम हेतु ज्ञानानुशासन विशेष से संबंधित शिक्षण उपागम को विस्तार सें समझाइये।

प्रश्नसंख्या 05 : ज्ञानानुशासन के विशेष संदर्भ में मूल्य शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 016

प्रश्न पत्र : शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01:सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी का अर्थ बताते हुए शिक्षा के लिए सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की आवश्यकता एवं महत्वस्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02:अभिक्रमित अनुदेशन का अर्थ बताते हुए रेखीय अनुदेशन, शाखीय अनुदेशन एवं संगणक सहायक अनुदेशन की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03: विद्यार्थियों के ज्ञान निर्माण में आईसीटी के बहुआयामी अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04:दृश्य-श्रव्य साधनों का अर्थ बताते हुए अपनी कक्षा को अधिगम अनुकूल बनाने के लिए आप कौन-कौनसे दृश्य-श्रव्य साधनों का उपयोग करेंगे ? विस्तारसे समझाईये।

प्रश्नसंख्या 05:विद्यालय प्रबंधन में आईसीटी का बहुआयामी प्रयोग एक प्रधानाध्यापक के रुप में आप किस प्रकार से करेंगे ? चर्चा कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) प्रथम सेमेस्टर

प्रायोगिक कार्य

कुल अंक : 50

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 017

प्रश्न पत्र : प्रायोगिक क्रियाएं

---

1. **निम्नलिखित में से किसी दो प्रश्नों के उत्तर 1000 शब्दों में लिखिये (प्रत्येक प्रश्न पर 15 अंक हैं।)**
2. **शेष 3 प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का चयन करते हुए उस पर पावरपॉइंट (Power Point) प्रस्तुति का निर्माण कर अभ्यास केंद्र पर प्रेषित करें। (इस प्रश्न पर 20 अंक हैं।)**

प्रश्नसंख्या 01: एक भारतीय विचारक का चयन करते हुए उनके शैक्षिक सिद्धांतो एवं वर्तमान शिक्षा प्रणाली में उनके शैक्षिक निहितार्थ से अवगत कराएँ।

प्रश्नसंख्या 02: स्मृति, बुद्धि, व्यक्तित्व, सृजनात्मकता, शिक्षण अभिवृत्ति आदि में से किसी एक मनौवैज्ञानिक प्रयोग का अपने विद्यालय में कार्यान्वयन करते हुए प्रतिवेदन निर्माण कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03: राष्ट्रीय शिक्षा निति, 2020 में दिए गए सुझावों, परिकल्पना, क्रियान्वयन एवं चुनौतियों का विस्तृत विश्लेषण कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04: भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से आप विद्यार्थियों में संप्रेषण कौशल का विकास किस प्रकार करेंगे ? चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05: माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा स्तर पर विभिन्न ज्ञानानुशासन की प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनके परस्पर सहसंबंधो का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।